प्रेस विज्ञप्ति

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में मरीजो के हितार्थ उच्च कोटी की उपचार की सुविधाओं को उपलब्ध कराने एवं छात्र-छात्राओं के शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए नित्य नई विशिष्टाताओं की स्थापना की जाती है इसी क्रम में आज किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एण्ड हियरिंग के मध्य एक आपसी समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया गया जिसके तहत आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एण्ड हियरिंग द्वारा नवजात बच्चों के सुनने की क्षमता की जांच करने के लिए उपकरण एवं मैन पावर किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय को प्रदान किया जायेगा। जिससे के0जी0एम0यू0 के नाक, कान, गला विभाग, नियोनेटालॉजी विभाग, एवं स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के तत्वाधान में नवजात शिशुओं के सुनने की क्षमता की जांच की जायेगी। ई0एन0टी0 विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 एस0पी0 अग्रवाल ने बताया कि जो नवजात बच्चे ठीक से सुन नही सकते है उनके मस्तिष्क का और बोलने की क्षमता का उचित विकास नही हो पाता है। अब चिकित्सा विश्वविद्यालय में जब यह जांच की सुविधा उपलब्ध होगी तो ऐसे बच्चों की सुनने की क्षमता की जांच के उपरांत उनका Cochlear Implant & Speech Therapy के माध्यम से उपचार किया जा सकेगा जिससे की उनके मस्तिष्क और बोलने की क्षमता का उचित विकास हो सके। चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी ने कहा की इस प्रकार की सुविधा उत्तर प्रदेश में अभी सिर्फ के0जी0एम0यू0 में उपलब्ध होगी तथा उपरोक्त जांच नवजात के जन्म के 72 घण्टों के भीतर कभी भी किया जा सकेगा।

प्रो0 नरसिंह वर्मा
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल
चिकित्सा संकाय, केजीएमयू

प्रो0 विभा सिंह
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल
दंत संकाय, केजीएमयू